पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 2018 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

न्द्रीय आर्य युवक परिषद्
राष्ट्रीय कार्यकारिणी व अन्तरंग सभा बैठक
रविवार, 15 जुलाई 2018, प्रातः 11.30 बजे
आर्य समाज कबीर बस्ती,दिल्ली-7
प्रीति भोज-दोपहर 1.30 बजे
कृपया सभी साथी समय पर पंहुचे

वर्ष-35 अंक-3 आषाढ़-2075 दयानन्दाब्द 194 01 जुलाई से 15 जुलाई 2018 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.07.2018, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

जम्मू कश्मीर की वादियां ओ३म् के जयकारों से गूंज उठी: जम्मू शिविर के साथ हुआ 22 शिविरों का भव्य समापन

महर्षि दयानंद के आदर्शों को जीवन में अपनाएं – विधायक सत शर्मा

संस्कारवान युवा राष्ट्र का आधार – अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष

जम्मू शिविर समापन पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक श्री राकेश जी का स्वागत करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य,विधायक सत शर्मा व प्रान्तीय अध्यक्ष सुभाष बब्बर। द्वितीय चित्र–मंच पर बांये से स्वागताध्यक्ष मनोहर बब्बर, एस.डी.एम. मोहम्मद इलयास, राकेश जी, विधायक सत शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य व आचार्य विद्याभानु शास्त्री।

जम्मू, रविवार 24 जून 2018, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में आर्य समाज जानीपुर कॉलोनी मे गत एक सप्ताह से चल रहे "आर्य युवा चरित्र निर्माण शिविर" का रामलीला मैदान जानीपुर, जम्मू के भव्य मैदान मे समापन हो गया। बच्चों ने परेड, योगासन, दण्ड बैठक, लाठी, तलवार, जूडो कराटे, लेजियम, डम्बल, स्तूप, बॉक्सिग के आर्कषक वयायाम प्रदर्शन दिखाये।

मुख्य अतिथि विधायक सत शर्मा ने कहा कि नयी युवा पीढ़ी को संस्कारित करने का आर्य समाज का प्रयास सराहनीय है। महर्षि दयानंद अपने समय के महान क्रांतिकारी सुधारक रहे, उन्होंने पाखंड अंधविश्वास के विरुद्ध जनजागरण किया। आजादी की लड़ाई में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

समारोह अध्यक्ष डॉ अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद दिल्ली) ने कहा कि संस्कारवान युवा राष्ट्र का आधार स्तःम्भ है। परिषद चरित्र वान, राष्ट्र भक्त आदर्श नागरिक तैयार करने की दिशा में संलग्न है। देश का भविष्य संस्कारित युवा पीढ़ी पर निर्भर करता है जो देश की दिशा व दशा बदल सके। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 22 शिविर आयोजित किए गए हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक राकेश जी ने जीवन मूल्यों पर पर प्रकाश डालते हुए संस्कारित युवा निर्माण की प्रशंसा की।

परिषद के प्रान्तीय अध्यक्ष सुभाष बब्बर ने कहा कि हम पूरा वर्ष बच्चों के निर्माण के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन करते रहते है, इस कार्य को और अधिक गति प्रदान की जायेगी। वैदिक विद्वान आचार्य विद्याभानु शास्त्री ने यज्ञ करवाया तथा जीवन को तप त्याग से महान बनाने का आह्वान किया। प्रान्तीय महा मंत्री रमेश खजुरिया व आचार्य सत्य प्रिय शास्त्री ने कुशल संचालन किया। प्रवीन आर्या (दिल्ली), अरुण आर्य के सुन्दर भजन हुए।

इस अवसर पर एस डी एम मोहम्मद इलयास ने कहा कि योग से व्यक्ति का आंतरिक और बाह्य विकास होता है, स्वागताध्यक्ष मनोहर बब्बर, कपिल बब्बर, रुही बब्बर, मुकेश मैनी, वेदांशु शास्त्री, सुभाष आर्य, राजीव सेठी, अरुण चौधरी, योगेन्द्र शास्त्री (जींद), सौरभ गुप्ता (गाजियाबाद), गौरव सिंह (दिल्ली), करुणा शर्मा, प्रगति गुप्ता, गौरव सिंह आदि उपस्थित थे। ऋषि लंगर का आंनद लेकर सभी आर्य जन उत्साह पूर्वक विदा हुए।

शनिवार, 23 जून 2018 को प्रातः काल जानीपुर कालोनी में "प्रभात शोभा यात्रा" का आयोजन किया गया, चित्र में–अनिल आर्य, प्रवीन आर्या, सुभाष बब्बर, रमेश खजुरिया, मुकेश मैनी, अरूण आर्य, रवि आर्य, सौरभ गुप्ता, योगेन्द्र शास्त्री, गौरव सिंह, शिवम मिश्रा, प्रगति,करूणा आदि। द्वितीय चित्र–प्रधान शिक्षक योगेन्द्र शास्त्री के नेतृत्व में आर्य युवा।

ध्वजारोहण डा.अनिल आर्य व आचार्य विद्याभानु शास्त्री ने किया,साथ में सुभाष बब्बर,रमेश खजुरिया,मुकेश मैनी,मनोहर बब्बर,अरूण आर्य,गौरव व योगेन्द्र शास्त्री। द्वितीय चित्र में आर्य युवक प्रदर्शन के लिये तैयार।

आजाद और सोज के बयान निन्दनीय

– अवधेश कुमार

जम्मू कश्मीर को लेकर कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं गुलाम नबी आजाद एवं सैफुद्दीन सोज के बयानों पर देश जिस तरह से उद्वेलित हुआ है वह बिल्कुल स्वाभाविक है। ऐसे देश विरोधी बयानों पर भी यदि देश नहीं उबले तो फिर हमारे शरीर में रक्त नहीं पानी बह रहा है। यह सामान्य बात नहीं है कि एक ऐसा नेता जो नौ बार सांसद रहा हो, केन्द्र में मंत्री रहा हो वह कश्मीर की आजादी की बात और उतने सहज ढंग से करे। इसी तरह ऐसा नेता, जो जम्मू कश्मीर का मुख्यमंत्री रहा हो, केन्द्र में कई बार मंत्री रहा हो, राज्यसभा में विपक्ष का नेता हो, कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी के मुख्य रणनीतिकारों में हो वह सेना की कार्रवाई को नरसंहार कहे तो देश को यह विचार करना पड़ता है कि आखिर ये जो दिखते हैं और जो हैं उनमें वाकई अंतर है क्या? कांग्रेस ने भी सोज के बयानों की तो निंदा कर दी लेकिन सारे नेता और प्रवक्ता आजाद के बयान को सही ठहराने में लगे रहे। इसका कारण एक ही हो सकता है कि आजाद राहुल गांधी और सोनिया गांधी के करीबी हैं, अन्यथा आम कांग्रेसी भी उनके बयान के खिलाफ है।

तो आइए पहले बयानों को देखें। सैफुद्दीन सोज कहते हैं कि मुशर्रफ कहते थे कि कश्मीरियों की पहली पसंद तो आजादी है। मुशर्रफ का बयान तब भी सही था, आज भी सही है। सोज ने अपनी किताब 'कश्मीरः ग्लिम्प्सेस ऑफ हिस्ट्री एंड द स्टोरी ऑफ स्ट्रगल' में मुशर्रफ को उद्धृत करते हुए कहा कि अगर कश्मीरियों को अपनी राह चुनने का मौका दिया जाए तो वे आजादी को तरजीह देंगे। अगर भारत की मुख्यधारा का कोई नेता पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की कश्मीर संबंधी बातों से इस तरह सहमत होता है तो उसे क्या नाम दिया जाए इसके लिए शब्द तलाशना मुश्किल है। यहीं आजाद के बयान पर एक नजर डाल लिया जाए। कई टीवी चैनलों पर जो उनके बयान दिखाए गए वो बाद के हैं जिसमें वे केवल अपने पूर्व बयान की सफाई दे रहे हैं। सरकार केवल आतंकवादियों के मरने की संख्या दे रही है आम नागरिकों एवं जवानों की नहीं। दरअसल, उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा था कि सरकार चार आतंकवादियों को मारती है तो उसके साथ 20 नागरिकों को भी मार देती है। सरकार की कार्रवाई आतंकवादियों से ज्यादा सिविलियंस यानी नागरिकों के खिलाफ रहती है। पुलवामा में सिर्फ एक आतंकी मारे गए और 13 आम लोग मार डाले गए। ऑलआउट ऑपरेशन शुरू करने के ये मायने हैं कि वे नरसंहार करना चाह रहे हैं।

लश्कर–ए–तैयबा के प्रवक्ता अब्दुल्ला गजनवी ने कश्मीर के मीडिया को भेजे बयान में कहा कि गुलाम नबी आजाद जो कहते हैं, हमारा भी शुरुआत से यही मानना है। लश्कर को उद्धृत करने का उद्देश्य यह बताना है कि आजाद की भाषा किस तरह सीमा पार बैठे आतंकवादी संगठन की सोच से मिलती है। हाफिज सईद ने भी कह दिया कि कश्मीर में भी कुछ अच्छे लोग हैं। क्या आजाद सईद का यह प्रमाण पत्र स्वीकार करेंगे? इन दोनों नेताओं के बयानों को पाकिस्तान मीडिया में पूरी जगह मिली है। वास्तव में इनकी भाषा में और आतंकवादियों तथा पाकिस्तानी पिट्ठू अलगाववादियों की भाषा में कोई अंतर नहीं है। हालांकि सोज का पाखंड तो कई बार उजागर हो चुका है। जब वे नेशनल कॉन्फ्रेंस में थे तो इस विचार से उनको घाटी में वोट मिलता था। इस पार्टी की नीति एक साथ कई भाषा बोलने की रही है। किंतु कांग्रेस में आने के बाद उनको सहन किया गया यह चिंता का विषय है। एक उदाहरण तो पिछले वर्ष का ही है। 12 अप्रैल 2017 को राजधानी स्थिति इंडिया इंटरनेशल सेंटर में इंप्रूविंग इंडो–पाक रिलेशन नाम से एक कार्यक्रम में जिसमें पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी भी शामिल थे सोज ने साफ कहा कि कश्मीर की हालिया समस्या के लिए केवल भारत दोषी है पाकिस्तान नहीं। उनके भाषण पर हंगामा हुआ। कई दिनों तक चर्चा हुई। कांग्रेस ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इस प्रकार का दोहरा चरित्र वहां के नेताओं में आम है। फारुक अब्दुल्ला स्वयं ऐसे बयान देते रहते हैं। उन्होंने कभी कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर आपके बाप का है तो कभी कश्मीरी भाषा में घाटी में भाषण देते हुए कहा कि हुर्रियत, आप हमको अपने से अलग न समझो, इससे आगे बढ़कर उन्होंने पत्थरबाजों को अपने मुल्क के लिए संघर्ष करने वाला बता दिया। आखिर ये भी तो केन्द्रीय मंत्री रहे हैं।

ये भारतीय संविधान के तहत शपथ लेते हैं और अंदर भारत के प्रति इनकी वितृष्णा भी रहती है। तभी तो नेहरु जी ने उनके पिता शेख अब्दुल्ला को गिरफ्तार कर लिया था। अब आजाद की ओर लौटें। कई लोग आंकड़ों से यह स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं कि आजाद की बातें गलत हैं। यह बिल्कुल सच है कि आतंकवादी ज्यादा मारे गए हैं और उनकी तुलना में आम नागरिक बिल्कुल कम। लेकिन जिस तरह घाटी के पांच जिलों में ये तथाकथित आम लोग सुरक्षा बलों के साथ व्यवहार करते हैं उसमें यदि इनकी संख्या बढ़ भी जाए तो इसमें क्या समस्या है। ये पाकिस्तान के साथ लश्कर, आईएस और न जाने किन संगठनों का झंडा लेकर मजहबी, भारत मुर्दाबाद तथा आजादी के नारे लगाते हैं, पत्थरों से सुरक्षा बलों पर हमला करते हैं, उनसे जूझते हैं.... आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में ढाल बनकर आ जाते हैं उनमें यदि सुरक्षा बल संयम से काम न लें, पत्थरों के जख्मों को झेलते हुए शांत न रहें तो कुछ भी हो सकता है। याद दिलाने की आवश्यकता है कि यह स्थिति आजाद के मुख्यमंत्रीत्व काल में ही पैदा हुई जो धीरे–धीरे कांग्रेस नेशनल कान्फ्रेंस सरकार में बढ़ते–बढ़ते यहां तक पहुंची है। आजाद की सरकार ने जून 2008 में 39.88 एकड़ बंजर भूमि श्रीअमरनाथ श्राइन बोर्ड को यात्रियों की सुख–सुविधा के लिए अस्थायी निर्माण के लिए आवंटित किया था। उसके खिलाफ अलगाववादियों ने आंदोलन आरंभ कर दिया, पीडीपी एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस में विरोध करने की होड़ लग गई। लंबे समय से जो घाटी शांत दिख रही थी उसमें आग लग गई। अंत में यह निर्णय वापस लिया गया तो उसके विरोध में जम्मू में पहली बार लोग आक्रामक होकर सड़कों पर उतरे। कश्मीर में आजादी का नारा बीते दिनों की बात हो गई थी। हुर्रियत नेताओं को कोई पूछ नहीं रहा था। अचानक इस्लाम के साथ पाकिस्तानी झंडे लहाराने लगे। उस समय जो नारे लगे उनको देखिए– 'भारत की मौत आई, लश्कर आई लश्कर आई,' 'जियो–जियो पाकिस्तान' हमारी मंडी, हमारी मंडी, रावलपिंडी, रावलपिंडी', ' हमें क्या चाहिए आजादी', ' छीन के लेंगे आजादी' ' हम हिंद से कश्मीर को आजाद कराके रहेंगे, हम कॉम के नवजवान हैं जेहाद करेंगे',...आदि आदि। एक महीने में स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। आजाद ने इनको नियंत्रित करने का प्रयास ही नहीं किया। हालांकि उनकी सरकार भी चली गई। 18 अगस्त 2008 को एक लाख लोगों का उग्र जुलूस भारत विरोधी नारा लगाते हुए श्रीनगर पहुंचा और वह मानमानी करता रहा, उसे रोकने वाला कोई न था। सुरक्षा बलों के हाथ बांध दिए गए थे। ऐसा डरावना दृश्य कश्मीर में इसके पहले कभी नहीं देखा गया था। 2010 आते–आते पत्थरबाजी आरंभ हो चुकी थी।

कहने का तात्पर्य यह कि देन तो आपकी ही है। केन्द्र की यूपीए सरकार को भी जितना सख्त होना चाहिए था नहीं हुई और नौबत आज यहां तक पहुंच गई है। वास्तव में आजाद ने जो कहा वह केवल तथ्यों से परे व अव्यावहारिक ही नहीं, आपत्तिजनक और देश विरोधी भी है। यह भारत को बदनाम करने वाला, सुरक्षा बलों को बदनाम करने वाला, उनका मनोबल तोड़ने वाला तथा आतंकवादियों एवं अलगाववादियों के साथ पाकिस्तान का पक्ष मजबूत करने वाला है। गलत तथ्य देने तथा सुरक्षा बलों पर गलत आरोप लगाने के कारण उन पर मुकदमा होना चाहिए। किंतु सरकार इस सीमा तक जाएगी नहीं। इसलिए आम जनता की हैसियत से हम आप इसका जितना पुरजोर विरोध और निंदा हो करें ताकि दूसरे नेता देश की निंदा करने से बचें।

ईः 30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्लीः 110092,
दूरभाष:01122483408, 981102708

दिल्ली चलो आर्यो — हम मस्तों मे आन मिले कोई हिम्मत वाला रे — दिल्ली आओ युवकों

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के 40 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में

राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन

रविवार, 9 सितम्बर 2018, प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक

स्थानः योग निकेतन सभागार, रोड न. 78, पश्चिमी पंजाबी बाग,दिल्ली–110026

सभी आर्य युवक सादर आमन्त्रित हैं। दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य युवक अपने आने की सूचना शीघ्र दें जिससे आवास आदि का यथोचित प्रबन्ध किया जा सके। प्रातः नाश्ते,दोपहर भोजन व सायं काल जलपान आदि की सुन्दर व्यवस्था रहेगी। सम्पर्कः सौरभ गुप्ता–9971467978, अरूण आर्य–9818530543, रामकुमार सिंह–9868064422, देवेन्द्र भगत–9958889970, प्रवीन आर्य–9911404423.

दर्शनाभिलाषीः–

अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य	रामेश्वर गोयल	दर्शन अग्निहोत्री
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामन्त्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	स्वागताध्यक्ष	स्वागत मन्त्री

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के आठ दिवसीय "विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर" का भव्य समापन

चरित्र निर्माण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता – रामनिवास गोयल, अध्यक्ष दिल्ली विधान सभा

महर्षि दयानन्द के जीवन मूल्यों से युवा प्रेरणा लें – राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार, 17 जून 2018,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्,नई दिल्ली के तत्वाधान में शिक्षाविद् पुष्पा भाटिया के सान्निध्य में गत् 9 जून से दयानन्द मॉडल स्कूल,विवेक विहार,पूर्वी दिल्ली में चल रहे "विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर" का भव्य समापन हो गया । शिविर में 250 किशोर व युवकों ने प्रातः 4 बजे से रात्री 10 बजे तक अनुशासित दिनचर्या में रहकर नैतिक शिक्षा,योगासन,दण्ड–बैठक,लाठी, तलवार, जूडो– कराटे, बाक्सिंग, स्तूप, डम्बल, लेजियम, सन्ध्या–यज्ञ, भाषणकला, नेतृत्व कला, देश भक्ति की भावना, भारतीय संस्कृति की महानता पर शिक्षकों व वैदिक विद्वानों से बौद्धिक व शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त किये।

दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष श्री रामनिवास गोयल ने अपने सन्देश में कहा कि आज राष्ट्र व समाज में नैतिक मूल्यों का निरन्तर पतन हो रहा है,युवा शक्ति को चरित्रवान बनाने में आर्य समाज बखूबी कार्य कर रहा है,आज के कई सन्त भी चारित्रिक पतन से वंचित न रह पाये। अतः आज तीव्र गति से चरित्रवान युवा पीढ़ी के निर्माण की समाज को अत्यन्त आवश्यकता है तभी समाज का ताना बाना सुरक्षित रह पायेगा, आर्य युवक परिषद् को इस पुनीत कार्य को हर गांव गली कूचे तक पहुंचाने का कार्य करना है। मैं आयोजकों को युवा निर्माण के कार्य के लिये हार्दिक बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द अपने समय के महान क्रांतिकारी महापुरूष रहे उन्होंने स्वदेशी का नारा दिया उनके इस सन्देश को जन मानस तक पहुंचाने का कार्य आर्य युवकों को ही करने का संकल्प लेना है तभी यह शिविर लगाना सार्थक हो पायेगा।

शिविराध्यक्ष व केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि चरित्रवान युवक ही राष्ट्र की अमूल्य सम्पति हैं व महर्षि दयानन्द महान

(शेष पृष्ठ 4 पर)

आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर के अवसर पर विवेक विहार, दिल्ली में प्रभात शोभा यात्रा का भव्य आयोजन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली द्वारा शिविर समापन से पूर्व शनिवार, 16 जून 2018 को स्थानीय जनता को आर्य समाज का सन्देश देने के लिये प्रभात शोभा यात्रा का आयोजन विवेक विहार क्षेत्र में किया गया। नेतृत्व डा.अनिल आर्य, महेन्द्र भाई, प्रवीन भाटिया, वीरेश भाटी, चौ. धर्मवीर सिंह, प्रवीन आर्या, यशोवीर आर्य, रामकुमार सिंह, संजय आर्य, राजीव कोहली, प्रवीन आर्य, सुरेश आर्य, सुरेश प्रसाद आर्य, विकास शर्मा, शंकरदेव आर्य, विजयारानी शर्मा, जवाहर भाटिया आदि गणमान्य आर्य जन कर रहे थे।

पूर्व विधायक जितेन्द्रसिंह शन्टी का स्वागत करते अनिल आर्य,प्रवीन भाटिया,सीमा भाटिया,धर्मपाल आर्य (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष)। द्वितीय चित्र–विद्यालय प्रधानाचार्या सीमा भाटिया व प्रबन्धक प्रवीन भाटिया का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, ठाकुर विकम सिंह, प्रवीन आर्या व पार्षद संजय गोयल।

ठाकुर विकम सिंह जी का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,प्रवीन आर्या,महेन्द्र भाई,संजय आर्य,सुरेश आर्य। द्वितीय चित्र–पार्षद संजय गोयल का स्वागत करते प्रवीन भाटिया,अनिल आर्य,शिक्षक सौरभ गुप्ता व शंकरदेव आर्य।

तैयार हो रही है दयानन्द की सेना – शिविर समापन समारोह में कराटे प्रदर्शन करते हुए आर्य युवक

दिल्ली आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर की सचित्र झलकियां

शिविर समापन पर अभिवादन लेते हुए–ठाकुर विक्रम सिंह जी,अनिल आर्य,पार्षद संजय गोयल,वेदप्रकाश आर्य,प्रवीन भाटिया,राजरानी अग्रवाल,पूर्व पार्षद प्रीति व प्रवीन आर्या। सामने आर्य युवक सैनिक अभिवादन करते हुए।

शोभा यात्रा का स्वागत करते पूर्व विधायक जितेन्द्रसिंह शन्टी, साथ में अनिल आर्य,प्रवीन भाटिया,यज्ञवीर चौहान,जवाहर भाटिया, विवेक अग्निहोत्री, ऋषिपाल खोखर,प्रवीन आर्या व महेन्द्र भाई। द्वितीय चित्र–बहिन गायत्री मीना (प्रधान, आर्य समाज,सैक्टर–33, नोएडा का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,ओम सपरा व प्रवीन आर्य।

बधाईः आर्य समाज, विकास पुरी, डी ब्लाक, दिल्ली में आयोजित जन्म दिवस समारोह में श्री हरीश कालरा का सपत्निक अभिनन्दन करते अनिल आर्य व प्रवीन आर्या। संचालन प्रधान बलदेव सचदेवा ने किया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू शिविर में वैदिक विद्वान आचार्य विद्याभानु शास्त्री का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, सुमाष बब्बर,कुलदीप लूथरा,सत्यप्रिय शास्त्री,सौरभ गुप्ता व प्रवीन आर्या।

आर्य समाजों के निर्वाचन सम्पन्न

1. आर्य समाज,सुन्दर विहार, दिल्ली के चुनाव में श्री कंवरभान क्षेत्रपाल–प्रधान, श्री अमरनाथ बत्रा–मन्त्री, श्री प्रहलाद सिंह–कोषाध्यक्ष व श्री संजीव आर्य–कार्यकारी मंत्री निर्वाचित हुए।
2. आर्य समाज, अमर कालोनी, दिल्ली के चुनाव में श्री जितेन्द्र कुमार डावर–प्रधान, श्री ओमप्रकाश छाबड़ा–मन्त्री व श्री सुभाष चन्द आर्य–कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
3. आर्य समाज, दुर्गापुरी विस्तार, पूर्वी दिल्ली के चुनाव में श्री रामपालसिंह एडवोकेट–प्रधान, श्री सतवीरसिंह आर्य–मन्त्री व श्री भुल्लनसिंह कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
4. आर्य समाज,सैक्टर–7, रोहिणी, दिल्ली के चुनाव में श्री नरेशपाल आर्य–प्रधान, श्री संजीव गर्ग–मन्त्री व श्री देवराज आर्य–कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। युवा उद्घोष की ओर से बधाई।

आर्य जनों की दुबई भ्रमण यात्रा

परिषद् के मन्त्री श्री देवेन्द्र भगत के नेतृत्व में आर्य जनों की दुबई भ्रमण यात्रा का कार्यक्रम बनाया गया है, दिनांक 19 अक्तूबर को प्रातः स्पाइस जैट द्वारा प्रस्थान करेंगे व 23 अक्तूबर 2018 को वापिस आयेगे। थ्री स्टार होटल सुविधा, भुर्ज खलीफा, दुबई साईट सीन, डेजट सफारी, दौउ कुज आदि भ्रमण सम्मिलित हैं। एयर टिकट आदि मिलाकर कुल किराया 41,500/–रू रहेगा। सम्पर्क करें– 9958889970.

शोक समाचार : विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री चन्द्रभान सेतिया (प्रधान, आर्य समाज, सैनिक फार्मस, नई दिल्ली) का निधन।
2. श्री सन्दीप आर्य, आयु–45 वर्ष (दामाद श्री मनोहरलाल सपरा, सोनीपत) का निधन।
3. श्रीमती अर्चना वीर (धर्मपत्नी एयर क. धर्मवीर, अहमदाबाद) का निधन।

(पृष्ठ 3 का शेष)

कान्तिकारी थे,उन्होंने लोगों की वैचारिक सोच बदल कर सोचने की दिशा ही बदल डाली,उनके समाज व राष्ट्र उत्थान के कार्यो को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज महर्षि दयानन्द के विचारों पर चलकर ही हम पूरे विश्व का नवनिर्माण कर सकते हैं,आज पूरे विश्व का योग दिवस मनाना उसी दिशा में एक कदम है।

समारोह का शुभारम्भ आर्य नेता ठाकुर विक्रम सिंह ने ओ३म् ध्वज फहराकर किया,उन्होंने हिन्दू समाज को एक जुट होने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि यदि हिन्दू इक्ठठा हो जाये तो देश की राजनीति की दिशा ही बदल जायेगी। पूर्व विधायक जितेन्द्रसिंह शन्टी ने देश की आजादी में आर्य समाज के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि शिविर में प्रशिक्षित युवकों को समाज में व्यापत अन्धविश्वास,पाखण्ड व सामाजिक कुरीतियों को मिटाने का आह्वान किया। निगम पार्षद ने कहा कि महर्षि दयानन्द समग्र क्रान्ति के अग्रदूत थे उनके स्वपनों के भारत का निर्माण युवा पीढ़ी को ही करना है। समारोह अध्यक्ष श्री प्रवीन भाटिया ने कहा कि चरित्रवान आर्य युवा ही देश व विश्व को बदल सकते हैं।

परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री आचार्य महेन्द्र भाई ने प्रतिदिन यज्ञ करवाया। आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री (बरेली) व प्रवीन आर्या के मधुर भजन हुए। प्रधान शिक्षक शंकरदेव आर्य,योगेन्द्र शास्त्री,सौरभ गुप्ता,अरूण आर्य,प्रदीप आर्य,शिवम मिश्रा,आशीष आर्य,अनुज आर्य,गौरव गुप्ता,वरूण आर्य के निर्देशन में युवको के भव्य व आकर्षक व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम की सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की।

इस अवसर पर पूर्व पार्षद प्रीति, प्रधानाचार्या सीमा भाटिया, उतरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान ओम सपरा, रविन्द्र मेहता, यशोवीर आर्य, धर्मपाल आर्य, युवा विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, यशपाल शास्त्री, चन्द्रशेखर शर्मा, ईश कुमार नांरग, उषाकिरण कथूरिया, विजयारानी शर्मा, सरोज–जवाहर भाटिया, राजकुमारी शर्मा, गायत्री मीना, जितेन्द्र आर्य, स्वतन्त्र कुकरेजा, वीरेन्द्र योगाचार्य, रामकृष्ण शास्त्री (बहरोड़), भानुप्रताप वेदालंकार (इन्दौर), प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), डा. गजराजसिंह आर्य (फरीदाबाद), वीरेश भाटी (नोएडा), रामकुमारसिंह आर्य (दिल्ली प्रदेश संचालक), ऋषिपाल खोखर, रामानन्द आर्य, सुन्दर शास्त्री, ओमबीर सिंह, के.एल. राणा, देवदत आर्य, गोपाल जैन, राजरानी अग्रवाल, देवेन्द्र गोयल, ओमप्रकाश पाण्डेय, विकास शर्मा, विकास गोगिया, हंसराज चुघ सी.ए, सुरेश आर्य, के.के.यादव, प्रमोद चौधरी, डा.आर.के.आर्य, आनन्दप्रकाश आर्य (हापुड़), वेदप्रकाश आर्य, माधवसिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

समारोह में सैंकडों आर्य जनों ने पधार कर युवा शक्ति का उत्साह वर्धन किया व ऋषि लंगर का आनन्द लेकर नये उत्साह के साथ घरों को लौटे। शिविर में सर्वप्रथम–हर्षवर्धन (शाहदरा), सर्वद्वितीय–नीरज (झन्झुन,राजस्थान), सर्वतृतीय–आदित्य पासवान रहे।

जहाँ नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद है उसका नाम

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970